प्रसार भारती
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
26.01.2026/प्रादेशिक समाचार/15:00बजे

गणतंत्र दिवस

राष्ट्र आज 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व किया। समारोह का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय समर स्मारक पर जाने के साथ शुरू हुआ। उन्होंने स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उसके बाद राष्ट्रगान हुआ और 21 तोपों की सलामी दी गई। कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस वर्ष की थीम है ''स्वतंत्रता का मंत्र'' वंदे मातरम, और ''समृद्धि का मंत्र''– आत्मनिर्भर भारत। परेड में विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों की तीस झांकियां प्रदर्शित की गईं।

गणतंत्र–शिमला

इस बीच गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय समारोह शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर हुआ जहां राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड का निरीक्षण किया व मार्चपास्ट की सलामी ली। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह इस मौके पर विशेष रूप से मौजूद रहे। मार्चपास्ट में सेना, आईटीबीपी, सशस्त्र सीमा बल, हिमाचल पुलिस, पंजाब पुलिस, गृह रक्षक, एनसीसी और एनएसएस सहित 25 टुक्कड़ियों ने भाग लिया। राज्यपाल ने लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस भारत की एकता व अखंडता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन वर्ष 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ था और तब से लेकर आज तक देश ने विकास के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। इस मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया और देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को देश प्रेम से ओतप्रोत किया। इस मौके पर सेना के हैलीकॉप्टर द्वारा रिज मैदान पर पुष्प वर्षा भी की गई।

गणतंत्र–कांगड़ा

कांगड़ा ज़िले का ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह धर्मशाला के पुलिस मैदान में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने की। उन्होंने

राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। इस मौके पर अग्निहोत्री ने बताया कि हिमाचल आत्मनिर्भर राज्य बनने की ओर अग्रसर है और पिछले तीन वर्षों में नए संसाधनों का सृजन कर 26 हजार 6 सौ 83 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान राज्य सरकार ने सरकारी व निजी क्षेत्र में 56 हजार 8 सौ 55 युवाओं को रोजगार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य पथ परिवहन निगम के बेड़े में जल्द ही 2 सौ 97 नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल की जाएंगी।

<u>पद्म पुरस्कार</u>

केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 के लिए एक सौ 31 पद्म अलंकरणों की घोषणा की है। इनमें 5 पद्मविभूषण, 13 पद्म भूषण और 13 पद्मश्री पुरस्कार हैं। अलंकृत किए जाने वालो में 19 महिलाएं हैं। 16 लोगों को मरणोपरांत ये सम्मान दिए जा रहे हैं। पद्मश्री अलंकरण कला, समाज सेवा, औषधि, कृषि, साहित्य, शिक्षा और खेल क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पद्मश्री से सम्मानित किये जाने वाले एक सौ 13 लोगों में खेल जगत से क्रिकेट खिलाड़ी रोहित शर्मा, प्रवीण कुमार और महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमन प्रीत कौर, बलदेव सिंह, के. पजनीवेल और सविता पुनिया शामिल हैं।

<u>पदमश्री–हिमाचल</u>

इस बीच हिमाचल प्रदेश से बिलासपुर जिले के प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. प्रेम लाल गौतम को पद्म–श्री पुरस्कार के लिये नामित किया गया है। यह पुरस्कार विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जायेगा। डॉ. गौतम ने भारतीय कृषि विज्ञान को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने देश की पहली पादप जर्मप्लाज्म पंजीकरण प्रणाली की स्थापना की। इसके अलावा, उन्होंने कई उन्नत फसल किस्मों का विकास किया है, जिससे फसलों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

<u>मौसम</u>

प्रदेश में भारी बर्फबारी व वर्षा से प्रभावित हुआ जनजीवन अभी भी सामान्य नहीं हुआ है। प्रदेश में मनाली–लेह, आनी–कुल्लू और शिमला–रामपुर एन.एच. सहित 8 सौ 32 सड़कें ठप्प पड़ी है। प्रदेश में करीब एक हजार 9 सौ 42 बिजली टांसफार्मर बाधित हैं। पेयजल की 2 सौ 45 योजनाएं भी प्रभावित हैं।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बर्फबारी के चलते तीन छ समेत 832 सड़कें अभी भी यातायात के लिए बंद पड़ी हैं इस बीच एक बार फिर से मौसम बिगड़ने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज रात से लेकर 28 जनवरी सुबह तक हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से भारी बारिश व बर्फबारी की संभावना जताई है। पश्चिमी विक्षोभ का कल 27 जनवरी को ज्यादा असर देखने को मिलेगा जिसको लेकर चार जिलों कुल्लू, चंबा, लाहौल स्पीति और किन्नौर में भारी बर्फबारी को लेकर ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है जबकि अन्य आठ जिलों में बारिश, अधड़ तूफान का येलो अलर्ट जारी किया गया है। शिमला, कुफरी,नारकंडा,मनाली, डलहौजी, सोलंग घाटी ,सिसू और अन्य पर्यटन स्थलों में व्यापक बर्फबारी हो सकती है।मौसम में बदलाव के चलते प्रदेश में शीतलहर जैसे हालात बने हुए हैं। लोगों को कड़ाकेदार ठंड से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।